प्रकाशन तिथि : 15 जनवरी, 2025
प्रेषण तिथि : 19 जनवरी, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 21 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

अणुव्रत से महाव्रत की ओर जाने की साधना है संघः संघप्रमुख श्री

(कचनारा, मारूड़ी, देचू, देऊ, रायसर और बैरसियाला में माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न)

साधना की राह उर्ध्वगामी होती है, ऊपर की ओर जाती है, इसीलिए कष्टपूर्ण भी होती है। लेकिन मनुष्य का स्वभाव है कि वह कष्टपूर्ण जीवन को नहीं चाहता बल्कि सुख और प्रमाद में रहना चाहता है। इसलिए यदि किसी को साधना में नियोजित करना है तो उसे छोटी-छोटी बातों के अभ्यास के द्वारा साधना प्रारंभ करवानी पड़ती है। यही अणुव्रत है। जिस बात का हम अभ्यास करते हैं वही हमारी आदत बन जाती है और आदत से ही संस्कार का निर्माण होता है। संस्कार से ही चरित्र बनता है और चरित्र से पूरा जीवन बनता है। और जब व्यक्ति का जीवन परिवर्तित होता है तो पूरा समाज भी परिवर्तित होने लगता है। यही महाव्रत है। संघ अपने शिविरों में इसी अणुव्रत से महाव्रत की साधना का अभ्यास करा रहा है। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख माननीय लक्ष्मण सिंह जी बैण्याकाबास ने मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में कचनारा (नाहरगढ़) स्थित राजपूत धर्मशाला में आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 1 व 2 जनवरी को अपने प्रवास के दौरान शिविरार्थियों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कि समाज में विभिन्न अवसरों पर एकता के आह्वान किए जाते रहे हैं लेकिन वास्तविक एकता लक्ष्य की एकता के बिना नहीं आ सकती। जब हम सबका लक्ष्य एक होगा तभी हम सबके जीवन एक सूत्र में बंध सकते हैं। इसीलिए संघ हमें एक ध्येय, एक मार्ग, एक ध्वज और एक नेतृत्व के सिद्धांत पर आधारित साधना का अभ्यास करा रहा है। 30 दिसंबर से 5 जनवरी तक आयोजित इस शिविर का संचालन केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि सात दिन पहले जब हम मिले थे तब हम अपरिचित थे लेकिन इन सात दिनों में हमारे बीच जिस घनिष्ठता का जन्म हुआ है उसका प्रमाण विदाई के इस अवसर पर हमारे नेत्रों में आई नमी में देखा जा सकता है।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

जनरल वी के सिंह बने मिजोरम के राज्यपाल

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। 24 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उन्हें नामित किया गया। हरियाणा के भिवानी जिले के बापोरा गांव के मूल निवासी विजय कुमार सिंह निवर्तमान राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति के स्थान पर नामित हुए है।

जयंती व स्मारक लोकार्पण समारोह का पोस्टर विमोचन

25 जनवरी को पूज्य श्री तनसिंह जी की 101वीं जयंती पर बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में नवनिर्मित स्मारक का लोकार्पण समारोह आयोजित होगा। समारोह का पोस्टर विमोचन 3 जनवरी को आलोक आश्रम में माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर द्वारा किया गया। संरक्षक श्री ने उपस्थित संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वधर्म के पालन से ही मनुष्य जीवन सार्थक हो सकता है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने किंकर्त्तव्यविमूढ़ हो चुके क्षत्रिय समाज को उसके स्वधर्म - क्षात्रधर्म का बोध कराने की आवश्यकता अनुभव की और इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। ऐसे महापुरुष की स्मृति सदैव हमें बनी रहनी चाहिए जिससे उनसे प्रेरणा लेकर हम उनके बताए मार्ग पर चल सके। पोस्टर विमोचन से पूर्व बाड़मेर संभाग के स्वयंसेवकों का स्नेहमिलन भी आयोजित हुआ जिसमें संरक्षक श्री के निर्देशन में कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा हुई एवं स्वयंसेवकों को तदनुसार दायित्व सौंपे गए। कृष्ण सिंह रानीगांव ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मानवीय मूल्यों के लिए कार्य कर रहा है श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशनः संरक्षक श्री

(फाउंडेशन के सातवें स्थापना दिवस पर हुआ 'क्षात्र धर्म व संविधान' विषय पर विचार गोष्ठियों का आयोजन)

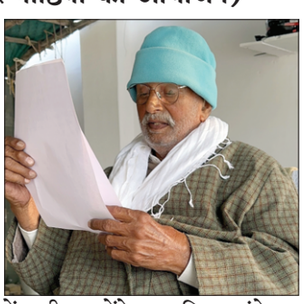

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का सातवां स्थापना दिवस आज मनाया जा रहा है। यह फाउंडेशन युवाओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ से जोड़ने के साथ ही संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने, इतिहास का संरक्षण करने, सभी समाजों के साथ समन्वय स्थापित करने सहित अनेकों कार्य कर रहा है। यह संगठन क्षत्रियों का है लेकिन क्षत्रिय सभी की रक्षा करने वाला होता है इसलिए यह जातिगत संगठन ना होकर सभी को साथ लेकर चलने वाला है जो राष्ट्रीय और मानवीय मूल्यों को लेकर कार्य कर रहा है। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर ने 12 जनवरी को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के सातवें स्थापना दिवस पर दिए अपने संदेश में कही। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का कार्य छोटा कार्य नहीं है बल्कि महान कार्य है और कोई भी महान कार्य परमेश्वर की कृपा के बिना पूरा नहीं हो सकता। परमेश्वर की कृपा तभी प्राप्त होगी जब हम ईमानदारी और निष्ठा के साथ निरंतर कार्य करते रहें। 12 जनवरी को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का सातवां स्थापना दिवस पूरे राजस्थान में अनेक स्थानों पर मनाया गया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अणुव्रत से महाव्रत की ओर जाने की साधना है संघः संघप्रमुख श्री

(पेज एक से लगातार)

हमारी यहां से जाने की इच्छा नहीं हो रही है लेकिन जाना पड़ेगा क्योंकि यहां हम केवल प्रशिक्षण लेने आए थे। हमारा वास्तविक कार्यक्षेत्र तो समाज है जहां जाकर हमें यहां मिले शिक्षण का व्यावहारिक अभ्यास करना है। यहां से जाने के बाद हमें ऐसा जीवन जीना है कि हमारे आसपास का वातावरण भी सात्विक बन जाए। चरैवेति चरैवेति के मूल मंत्र के साथ हमें संघ कार्य करने में अनवरत जुटे रहना है। शिविर में कचनारा, गोवर्धनपुरा, कोटड़ी मांडा, सूठखेड़ा, फतेहगढ़, गैलाना सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 80 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। महेंद्र सिंह फतेहगढ़ व दयाल सिंह कुंता खेड़ी ने स्थानीय समाजबंधुओं के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। इसके अतिरिक्त 25 से 31 दिसंबर तक विभिन्न स्थानों पर पांच माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर और आयोजित हुए जिनमें प्राथमिक प्रशिक्षण कर चुके बालकों व युवकों ने भाग लिया एवं संघ का माध्यमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाड़मेर शहर के निकटवर्ती भगवती विद्या पीठ मारूड़ी में भी सात दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर 25 से 31 दिसंबर तक भारतीय ग्राम्य आलोकायन ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन महेंद्र सिंह गूजरावास द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि शिविर में आपके भीतर वैदिक मंत्र, यज्ञ, चर्चा, बौद्धिक, खेल, योगासन, सहगीत, प्रार्थना आदि विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से क्षत्रियोचित संस्कारों का बीजारोपण किया जाएगा। इसलिए प्रत्येक गतिविधि में पूर्ण मनोयोग से भाग लेवें और पूज्य तनसिंह जी के संदेश को ग्रहण करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सम्यक ज्ञान एवं नैतिक मूल्यों के अभाव में युवा शक्ति में भटकाव की स्थिति पैदा हो गई है। इस स्थिति को बदलने के लिए संघ युवाओं को मानव जीवन के हेतु व सामाजिक मूल्यों की शिक्षा दे रहा है। विदाई के समय शिविर संचालक ने कहा कि यहां सात दिन तक तपस्या करके हमने जो संस्कार अर्जित किए हैं उन्हें अपने आचरण का स्थायी अंग बनाकर हमें समाज और राष्ट्र के एक उपयोगी सदस्य की भूमिका निभानी है। हम संघ के आदर्श स्वयंसेवक बनकर अन्य बंधुओं को भी श्रेष्ठ जीवन जीने के लिए प्रेरित करें, तभी यहां पाया हुआ शिक्षण सार्थक होगा। शिविर में आस-पास के विभिन्न गांवों से 100 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के दौरान संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली के निर्देशन में शिविरार्थियों द्वारा किराडू के ऐतिहासिक मंदिर का भ्रमण भी किया गया। जोधपुर संभाग के फलोदी प्रांत के देचू गांव में स्थित हरिओम आदर्श महाविद्यालय में श्री क्षत्रिय युवक संघ का सात दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर 25 से 31 दिसंबर तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए शिम्भू सिंह आसरवा ने शिविरार्थियों से कहा कि हम पर किस-किस का ऋण है, उसको हम अनुभव करें। हमारे परिवार का, समाज का, राष्ट्र का हम पर ऋण है, हमारे पूर्वजों का भी हम पर ऋण है, हमारे शिक्षकों और सहयोगियों का भी हम पर ऋण है। इस ऋण को चुकाना हमारा दायित्व है और हम यह ऋण तभी चुका सकेंगे जब हम इन सबके लिए उपयोगी बनकर जीवन जिएंगे। यहां आपको उसी प्रकार के जीवन का अभ्यास करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन केवल हमारा ही नहीं है, यदि इसका अनुभव हमें हो जाएगा तो हम इस जीवन को कभी भी व्यर्थ चीजों में नहीं गवाएंगे। इसीलिए संघ में सामूहिक जीवन के अभ्यास द्वारा हमें समाज के साथ हमारे अविच्छिन्न सम्बन्ध का अनुभव कराया जाता है। शिविरार्थियों को 29 व 30 दिसंबर को माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। संघप्रमुख श्री ने शिविरार्थियों से चर्चा करते हुए कहा कि संघ की

कार्यप्रणाली में नियमितता और निरंतरता का विशेष महत्व है। इसलिए संघ के निरंतर संपर्क में बने रहने से ही यहां पाया हुआ शिक्षण फलीभूत हो सकेगा। आप जब भी अपनी ऊर्जा को क्षीण होता हुआ अनुभव करें तो तुरंत शाखा एवं शिविरों में आकर पुनः ऊर्जा प्राप्त करें। शिविर में देचू, पीलवा, लोड़ता, चांदसमा, अखाधना, देणोक, सेतरावा, सोलकियातला, नाहर सिंह नगर, पालड़ी सिद्दा, बेलवा, बस्तवा, भाखरी, जय भवानीनगर, सिड्डा, मनचितिया, जोधपुर शहर, सेखाला आदि स्थानों के 95 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कुंभ सिंह नाथड़ाऊ ने स्थानीय समाजबंधुओं के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। एक सात दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर नागौर संभाग के खींवसर मंडल के देऊ गांव में स्थित आदर्श शिक्षण संस्थान में भी आयोजित हुआ। साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में संपन्न हुए इस शिविर का संचालन चन्द्रवीर सिंह देणोक ने किया। उन्होंने विदाई के समय स्वयंसेवकों से कहा कि जिस प्रकार हमारे पूर्वजों ने सत्यनिष्ठ जीवन जीकर क्षात्र धर्म व परम्परा के अनुकूल आचरण करते हुए इस संसार का मार्गदर्शन किया उसी प्रकार हमें भी उन्हीं आदर्शों को अपने जीवन में उतारना है। सभी धर्म, वर्ग, जातियों को सम्मान और आदर के साथ रहने का मार्ग दिखाने वाले क्षत्रिय महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए हमें भी सभी ओर मंगलमय वातावरण का विस्तार करना है। शिविर में 28-29 दिसंबर को माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास का सान्निध्य भी शिविरार्थियों को प्राप्त हुआ। उन्होंने शिविरार्थियों से पूज्य तनसिंह जी रचित सहगीत 'जगावें जग में अनुपम ज्योति' पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें अपने क्षात्रधर्म का पालन करते हुए पूरे संसार में प्रकाश फैलाना है। लेकिन इसके लिए त्याग करना होगा, बलिदान के लिए तत्पर होना होगा। जिस प्रकार दीपक स्वयं जलकर सभी ओर प्रकाश फैलाता है उसी प्रकार हमें भी समाज में चेतना का प्रकाश फैलाना है। उन्होंने कहा कि किसी भी महान कार्य को करने के लिए महान शक्ति की आवश्यकता होती है और इस युग में संगठन की शक्ति ही सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए हमें संगठन की मजबूत कड़ी बनकर पूरे समाज को संगठित करने का कार्य करना है। शिविर में संभाग के विभिन्न गांवों से 109 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। बीकानेर संभाग के रायसर गांव में स्थित श्री लालचंद गोड फार्म हाउस में भी एक माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि संघ की कार्य प्रणाली पूज्य तनसिंह जी ने गीता के आधार पर तैयार की है जिसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण से क्षत्रियोचित संस्कार निर्माण का अभ्यास करवाया जाता है। यहां विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से हमारी परंपरा, संस्कृति, इतिहास आदि की जानकारी दी जाती है, साथ ही हमारे महापुरुषों जैसे प्रभु श्री राम, श्री कृष्ण, हरिश्चंद्र, दिलीप, पोरस, बप्पा रावल, राणा सांगा, महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, मिहिर भोज प्रतिहार, रामदेव जी, गोगा जी, हड़बूजी, मेहो जी, अमर सिंह राठौड़, करम सिंह, भक्त शिरोमणि मीराबाई आदि ने जो जीवन आदर्श और मूल्य हमारे राष्ट्र को थाती के रूप में दिए हैं, उनको अपने जीवन में उतारने का अभ्यास भी कराया जाता है। ये जीवन मूल्य केवल हमारे लिए ही नहीं अपितु मानव मात्र के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, हर काल और परिस्थिति में प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि क्षात्रधर्म परंपरा पर चलने का जो अभ्यास यहां शिविर में करवाया जा रहा है, उसे निरंतर रखने के लिए हमें शाखाओं में जाना होगा तभी हम इस मार्ग पर चलने के अपने संकल्प को दृढ़ बनाए रख सकते हैं। शिविर में बीकानेर शहर, पुंदलसर, झंझेऊ, नुवां, भादला, सोढवाली, कानासर, बेलासर, सेरूणा, रतनगढ़, आशापुरा आदि स्थानों से 60 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक भागीरथ सिंह सेरूणा भी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। बलवंत सिंह महनसर, दयालसिंह किशोरपुरा, तनवीर सिंह खारी आदि ने स्थानीय समाजबंधुओ के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। जैसलमेर के बैरसियाला गांव में भी माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर 25 से 31 दिसंबर तक आयोजित हुआ। शिविर संचालक खींवसिंह सुल्ताना ने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि इस सृष्टि में जो कुछ भी दिखाई देता है, चाहे वह जड़ हो या चेतन हो, चर हो या अचर हो, उन सभी को इस सृष्टि के सृष्टा ने कोई न कोई उत्तरदायित्व दिया है। क्योंकि मनुष्य सभी प्राणियों से श्रेष्ठ हैं इसलिए उसका उत्तरदायित्व भी सबसे अधिक है। मनुष्य में भी क्षत्रिय का उत्तरदायित्व अधिक माना गया है। अपने इस उत्तरदायित्व की याद दिलाने और उसका निर्वहन करने में सक्षम बनाने के लिए ही हमें संघ इन शिविरों के द्वारा प्रशिक्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि विगत सात दिनों में आप सभी ने यहां रहकर जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उससे आपके भीतर नव चेतना का संचार हुआ है। इस नवचेतना से अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक होकर अपने अतीत से प्रेरणा लेते हुए भविष्य के नवनिर्माण में जुट जाएं। शिविर में बैरसियाला, सिहड़ार, चौक, हापा, पारेवर, सेऊवा, राजपूत छात्रावास जैसलमेर, बोड़ाना, ताड़ना, भदड़िया, सत्याया, टेकरा, छायण, तेजमालता, फूलिया, म्याजलार, अजुर्ना सहित राजसमंद, उदयपुर, पाली जिलों के 63 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाबू सिंह, हरि सिंह, ईश्वर सिंह आदि स्वयंसेवकों ने समस्त ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

चार प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों में 600 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

पुष्कर

महिदपुर

रानियावास

समाज की युवा पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण हेतु श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन निरंतर जारी है। इसी क्रम में 25 दिसंबर से 2 जनवरी तक की अवधि में विभिन्न स्थानों पर एक मातृशक्ति शिविर सहित चार प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें 600 से अधिक शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के महिदपुर में स्थित राजपूत धर्मशाला एवं बोर्डिंग हाउस में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 30 दिसंबर से 2 जनवरी तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए टैंकबहादुर सिंह गेहूंवाड़ा ने शिविरार्थियों से कहा कि मजबूत संगठन से ही हमारा समाज शक्तिशाली बन सकता है। संघ आपको सामाजिक संगठन की एक अटूट कड़ी बनाने के लिए इस कष्टप्रद साधना में प्रशिक्षित कर रहा है। आपको न केवल स्वयं इस श्रृंखला की कड़ी बनना है बल्कि अन्य साथियों को भी जोड़कर संगठन की इस श्रृंखला को और अधिक विस्तारित करना है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी से समाज की जो आशाएं हैं, उन्हें पूरी करने के लिए युवाओं को तपस्वी, संयमी और अनुशासित बनाने की आवश्यकता है। संघ यही कार्य कर रहा है। शिविर में उज्जैन जिले के कढाई, महिदपुर, साखथली, घसोई, सोनी, मऊखेडी, कुम्हारी, खेडा खजूरिया, सगवाली, टूटियाखेडी, आलाखेडा गांवों के साथ उदयपुर, भीलवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़, जैसलमेर, अजमेर आदि जिलों के 175 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। भगवान सिंह कढाई, मान सिंह सोनी, होकम सिंह धतुरिया, लाल सिंह, मान सिंह जवासिया सहित स्थानीय समाजबंधुओं ने व्यवस्था में सहयोग किया। राजसमंद जिले के आमेट में स्थित श्री वीर पत्ता पब्लिक विद्यालय परिसर में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 25 से 28 दिसंबर तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने शिविरार्थियों से कहा कि यहां जो प्रशिक्षण आपको दिया जा रहा है वह आपके जीवन में अनुशासन और एकता की भावना को विकसित करने वाला है। यदि इस शिक्षण को आपने अपने जीवन में उतार लिया तो आपका जीवन आपके परिवार, समाज और राष्ट्र सभी के लिए उपयोगी बन जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वधर्म का पालन करते हुए हम अपने जीवन को सार्थक कर सकते हैं। क्षात्रधर्म हमारा स्वधर्म है जिसके पालन का अभ्यास हमें श्री क्षत्रिय युवक संघ करा रहा है। शिविर में राजसमंद, उदयपुर, पाली, जैसलमेर आदि जिलों के 125 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। लाल सिंह देवाजी का गुड़ा, अर्जुन सिंह भोलीखेड़ा, राजेंद्र सिंह, चंद्रभान सिंह, नरेंद्र सिंह, तेजपाल सिंह सहित स्थानीय समाजबंधुओ ने व्यवस्था में सहयोग किया। कुंभलगढ़ विधायक सुरेन्द्र सिंह, जयवर्धन सिंह आमेट सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधुओं ने शिविर स्थल में पहुंचकर शिविर की गतिविधियों का अवलोकन किया। पूर्वी राजस्थान संभाग के दौसा प्रान्त में रानियावास (नायला) में भी इसी अवधि में चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख मदन सिंह बामनिया ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि क्षात्रधर्म सृष्टि का मूल धर्म है जिसका पालन करते हुए हमारे पूर्वजों ने भारत के गौरवशाली इतिहास का निर्माण किया। हमारा कर्तव्य है कि हम भी उसी मार्ग पर चलते हुए उस गौरव में वृद्धि करें। हम ऐसा करने में समर्थ हो सकें, इसी के लिए संघ हमारे भीतर क्षत्रियोचित संस्कारों का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि आप सभी चार दिन तक एकाग्रचित्त होकर शिविर की प्रत्येक गतिविधि में भाग लेवें, तभी आपका यहां आना सार्थक होगा। शिविर में दौसा, जयपुर, करौली, जोधपुर, नागौर आदि स्थानों से 88 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। राजवीर सिंह नायला एवं राजेंद्र सिंह रानियावास ने स्थानीय समाजबंधुओ के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला। अजमेर प्रांत के जयमल कोट, पुष्कर में चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर 26 से 29 दिसंबर तक आयोजित हुआ जिसका संचालन लक्ष्मी कंवर खारड़ा ने किया। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि क्षत्रियत्व का मार्ग कांटो भरा मार्ग है, कष्टों से भरा मार्ग है। इसीलिए संघ के शिविरों में भी कठिन अभ्यास कराया जाता है। लेकिन यहां जो आनंद हमें प्राप्त होता है उसके आगे सभी प्रकार के कष्ट गौण लगने लगते हैं। संघ चाहता है कि यह आनंद सदैव आपके जीवन में बना रहे, इसीलिए बार-बार आपको इन शिविरों में बुलाकर आपके जीवन में आनंद भरने का प्रयास संघ द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि हम जैसे विचार करते हैं वैसा ही हमारा जीवन भी बन जाता है। इसलिए सदैव अपने भीतर सकारात्मक विचारों का सृजन करें और नकारात्मकता से दूर रहें। शिविर में जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, चितौड़गढ़, उदयपुर, सीकर, केकड़ी, भिनाय, पिलोदा, सोलखुर्द, थामला, ब्यावर, हाड़ौती क्षेत्र की 225 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की तीन दिवसीय वार्षिक कार्यशाला का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की तीन दिवसीय वार्षिक कार्यशाला का आयोजन सोजत सिटी के हरियामाली गांव के एस एस पब्लिक स्कूल में 4 से 6 जनवरी तक हुआ। स्वागत सत्र में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने 'कौम की तासीर' विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि हमारी कौम की तासीर है कि ये मिट नहीं सकती। राजपूत जाति संघर्ष झेलकर निखरने वाली अद्भुत जाति है। प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक हमारे खिलाफ जितने आक्रमण और षडयंत्र हुए उतने किसी अन्य के खिलाफ हुए होते तो वे समाप्त हो गए होते किंतु हम आज भी जीवित है, इसका कारण हमारी कौम की जिजीविषा की शक्ति है। कौम की इस तासीर के अनुरूप मेरा क्या योगदान हो सकता है इस पर हम विचार करें। इस कार्यशाला में हम स्वाध्याय करने का अभ्यास करेंगे। पूज्य तनसिंह जी द्वारा लिखित साहित्य के आलोक में अपने गुण और दोषों का चिंतन करेंगे, साथ ही फाउंडेशन के कार्यकर्ता के रूप में फाउंडेशन का भी अध्ययन करेंगे। श्री क्षत्रिय युवक संघ की प्रक्रिया को भी समझने का प्रयास करेंगे और संघ की हमारे में व हमारी संघ में क्या भूमिका हो सकती है, इसका भी चिंतन करेंगे। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में संभागियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्वयं को, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन को एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ को समझने का प्रयास किया गया। वर्ष 2025 की कार्ययोजना पर चर्चा हुई जिसमें व्यक्तिगत स्तर पर घरेलू शाखा, मैदानी शाखा तथा शिविरों में भाग लेने, वर्ष में इस प्रकार की और कार्यशालाएं आयोजित करने, 12 जनवरी को फाउंडेशन के स्थापना दिवस पर 'संविधान और क्षात्र धर्म' पर विचार गोष्ठी का आयोजन करने, ईडब्ल्यूएस (EWS) सरलीकरण के मुद्दे पर कार्य करने, सरकारी योजनाओं पर वेबिनार आयोजित करने, समाज की प्रतिभाओं में समन्वय के प्रयास करने, महाविद्यालय के छात्रों से संवाद करने, महापुरुषों की जयंतियां मनाने, सभी समाजों के साथ सौहार्दपूर्ण बैठकें करने, ऐतिहासिक महत्व के स्मारकों के संरक्षण हेतु प्रयास करने के साथ ही मीरा दर्शन यात्रा, खेल प्रतियोगिता, सी.यू.ई.टी. (CUET) को लेकर जागरूकता व 'मीट आवर अचीवर्स' कार्यक्रम आयोजित करने के निर्णय लिए गए एवं इनके लिए रूपरेखा तैयार की गई। विदाई सत्र में बताया गया कि समाज के हरकारो को बौद्धिक रूप से मजबूत होना चाहिए इसलिए नियमित अध्ययन की आदत विकसित करें, यह आदत ही कालांतर में हमारे लिए हमारे स्वयं के अध्ययन में सहायक सिद्ध होगी। अपनी क्षमताओं को पहचान कर तदनुसार ही काम करना है ताकि हम जीवन भर बिना अवरोध के इस काम को कर सकें। कार्यशाला में 15 जिलों से 64 सहयोगियों ने भाग लिया। संघ के पाली प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाना ने कार्यशाला के संचालन में सहयोग दिया।

उदयपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर

अखिल भारतीय मेवाड़ राजपूत महासभा का वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर 5 जनवरी को उदयपुर के कविता स्थित समाज भवन में आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष सूरत सिंह दसाणा की अध्यक्षता में संपन्न कार्यक्रम में उदयपुर, राजसमंद, मुंबई, सूरत, पुणे, अहमदाबाद आदि स्थानों से राजपूत समाज के 200 से अधिक प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, राजकीय सेवाओं में चयनित होने वाले युवाओं एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न, प्रमाण पत्र व कंप्यूटर बैग देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें युवाओं द्वारा 52 यूनिट रक्तदान किया गया। सूरतसिंह दसाणा, महासभा के संरक्षक इंजीनियर कालूसिंह परमार, बालसिंह खरवड़ रामा, केसरसिंह तलादरा, कूकसिंह ठूंठड, सोहनसिंह खरवड़, नारायण सिंह चंदाणा आदि वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया और युवाओं को सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए निरंतर मेहनत करने एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की बात कही।

संपादकीय

आदर्शोन्मुख जनमानस के निर्माण से जन्मेगा सच्चा लोकतंत्र

लोकतंत्र की व्यवस्था, जिसे भारत राज्य ने अपनी शासन प्रणाली के रूप में चुना है, को जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन कहा जाता है। इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी लोकसभा अथवा विधानसभा क्षेत्र की जनता मतदान के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है और ऐसे चुने हुए प्रतिनिधि सामूहिक रूप से राज्य अथवा केंद्र में बहुमत के आधार पर सरकार चलाते हैं। सैद्धांतिक रूप में यह व्यवस्था जनता के बहुमत के द्वारा प्रकट की गई इच्छा के अनुरूप शासन चलाने की व्यवस्था है लेकिन यह चिंतन का विषय है कि क्या व्यावहारिक रूप में यह व्यवस्था जनता के बहुमत का प्रतिनिधित्व कर पा रही है? हाल ही में भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के आंकड़े देखने पर तो यही लगता है कि भारतीय संसद भारत की जनता के बहुमत का नहीं बल्कि अल्पमत का ही प्रतिनिधित्व करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2024 के लोकसभा चुनावों में भारत के 542 लोकसभा क्षेत्रों (निर्विरोध चुनाव वाले एक क्षेत्र को छोड़कर) में हुए चुनावों में 178 क्षेत्रों में विजयी प्रत्याशियों को उस क्षेत्र के कुल मतों में से केवल 30 प्रतिशत या उससे भी कम मत प्राप्त हुए। 266 लोकसभा क्षेत्रों में विजयी प्रत्याशियों को 30 से 40 प्रतिशत के बीच में मत प्राप्त हुए वहीं 92 लोकसभा क्षेत्रों में 40 से 50 प्रतिशत के बीच में मत प्राप्त हुए। पूरे देश में मात्र 6 लोकसभा क्षेत्र ऐसे थे जिनमें विजयी प्रत्याशियों को उस क्षेत्र के कुल मतों में से 50 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त हुए।

वैसे आदर्श के दृष्टिकोण से देखा जाए तो बहुमत की सीमा को 50 प्रतिशत निर्धारित करना भी प्रजातंत्र को भीड़तंत्र ही बनाता है क्योंकि वास्तविक प्रजातंत्र तो वही कहा जा सकता है जहां नेतृत्व कतिपय अपवादों को छोड़कर पूरे जनमत का प्रतिनिधित्व करता हो। भारतीय आदर्श तो उस रामराज्य का रहा है जहां अपवाद के स्वर को भी बहुमत जितना ही महत्व देकर राजधर्म का पालन किया जाता था।। लेकिन बहुमत की वर्तमान प्रजातांत्रिक परिभाषा के अनुसार भी देखें तो भी पूरे देश में केवल 6 सांसद ऐसे हैं जो अपने क्षेत्र के 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। क्या यह लोकतंत्र की बहुमत द्वारा शासन की वास्तविक भावना का उल्लंघन और अपमान नहीं है कि लगभग 99 प्रतिशत सांसद अपने क्षेत्र के कुल मतों के 50 प्रतिशत मत भी हासिल नहीं कर पाते? क्या लोकतांत्रिक मूल्यों के निरंतर हो रहे क्षरण का यह प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है? क्या अल्पमत को बहुमत सिद्ध करने के इस खेल द्वारा लोकतंत्र की मूल भावना पर हो रहा कुठाराघात लोकतंत्र के चारों स्तंभों को दिखाई नहीं देता? निश्चित रूप से दिखाई तो पड़ता ही है, लेकिन इस पर सभी मौन इसलिए हैं क्योंकि वर्तमान में इस व्यवस्था के सभी अंगों का उद्देश्य सच्चे लोकतंत्र को स्थापित, पोषित और विकसित करने की अपेक्षा सत्ता, शक्ति और संपत्ति पर कब्जा करने और उसे बनाए रखने का ही दिखाई पड़ता है और उसके लिए उन्हें जो भी सरलतम मार्ग दिखाई पड़ता है, वह चाहे कितना ही अनैतिक और दुष्परिणामकारी क्यों ना हो, वे उसे अपनाने से हिचकते नहीं। जोड़-तोड़ करके सत्ता प्राप्ति में लगे इन तथाकथित लोकतांत्रिक नेताओं के लिए इनके क्षुद्र व्यक्तिगत हित और महत्वाकांक्षाएं इतने महत्वपूर्ण हैं कि वे सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन को उसकी विराटता में देखने में असमर्थ हो चुके हैं और अपने दुष्कृत्यों से इन पर पड़ने वाले दीर्घकालीन दुष्परिणामों को भी उपेक्षित करने के अभ्यस्त हो गए हैं।

सच्चे अर्थों में लोकतंत्र अर्थात् जनता के शासन को स्थापित करने के लिए जनमत की अभिव्यक्ति को खंडित करके उस खंडित अभिव्यक्ति को अपने पक्ष में सिद्ध करने की नहीं बल्कि स्थायी, संगठित और आदर्शोन्मुख जनमत के निर्माण की आवश्यकता होती है। ऐसे जनमत का निर्माण वही कर सकता है जो अपने उच्च नैतिक चरित्र से जनमानस को अपनी ओर आकृष्ट कर सकता हो और उसे निश्चित दिशा प्रदान कर सकता हो। लेकिन लोकतंत्र के वर्तमान दावेदार तो इस तरह के नैतिक चरित्र बल से हीन होने के साथ ही अनैतिक और अमर्यादित आचरण के प्रतिनिधि बने हुए हैं, इसलिए ऐसे स्थायी और आदर्शोन्मुख जनमत के निर्माण के लिए प्रयत्नशील होने का न उनमें साहस है, न नीयत। व्यवस्था के शीर्ष पर स्थापित तत्वों के माध्यम से यह अनैतिकता और मर्यादाहीनता समाज के सभी वर्गों में धीरे-धीरे प्रसारित होती जा रही है और जनमानस को संगठित और आदर्शोन्मुख बनाने का कार्य और अधिक कठिन होता जा रहा है। लोकतंत्र के चारों स्तंभों के साथ ही लोकतंत्र को संचालित और सुरक्षित रखने के दायित्व वाली विभिन्न संस्थाओं को यह बात समझने की आवश्यकता है कि केवल गणितीय बहुमत के द्वारा सत्ता प्राप्ति के उपकरण के रूप में लोकतंत्र को अधिक समय तक जीवित नहीं रखा जा सकता, बल्कि एक आदर्शोन्मुख और संगठित जनमानस के निर्माण से ही सच्चा लोकतंत्र साकार हो सकता है। यह कार्य कठिन और दीर्घकालिक लग सकता है लेकिन वास्तविक लोकतंत्र, जो सदैव से भारतीयता का आदर्श रहा है, को जीवंत बनाए रखने के लिए ऐसे ही प्रयासों की आवश्यकता है।

जिन पर इस कार्य को करने का दायित्व है वे यदि इसे नहीं कर रहे हैं, तब भी इस कार्य का महत्व कम नहीं होता बल्कि और बढ़ जाता है। ऐसे में इस कार्य की आवश्यकता और महत्व समझने वाले प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह इसके लिए प्रयासरत होवे। क्षत्रिय के रूप में हमारे लिए यह हमारा स्वाभाविक दायित्व है क्योंकि भारत में प्रारंभ से ही अपने उच्च नैतिक आचरण से भारतीय जनमानस को प्रेरित और दिशा-निर्देशित कर आदर्शोन्मुख बनाने का कार्य हमारे पूर्वजों ने क्षात्रधर्म का पालन करते हुए किया है। कालक्रम में विभिन्न कारणों से हमारे इस दायित्व से विमुख हो जाने के कारण ही अन्य लोग इसके थोथे दावेदार बने। यद्यपि उनकी निरंतर विफलता इस बात का प्रमाण है कि इस दायित्व को पुनः हमें ही धारण करना होगा तथापि उससे पूर्व हमें हमारे पूर्वजों की भांति क्षत्रियोचित गुणों को अपने आचरण का अंग बनाकर वैसा ही उच्च नैतिक व चारित्रिक बल अर्जित करना होगा। यह त्याग और तपस्या पूर्ण जीवन के अभ्यास से ही संभव है और श्री क्षत्रिय युवक संघ निरंतर इसी कार्य में लगा हुआ है।

रतनगढ़ में क्षत्रिय कर्मचारी स्नेहमिलन आयोजित

चूरू प्रान्त के रतनगढ़ में स्थित श्री स्वरूप राजपूत छात्रावास में 5 जनवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में क्षत्रिय कर्मचारी स्नेह मिलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में कर्मचारी के रूप में अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करते हुए समाज हित में सहयोगी होने, आपसी संपर्क एवं संवाद को बढ़ाने, सामाजिक एवं सहयोगी भाव को प्रोत्साहित करने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई। राजेन्द्र सिंह आलसर ने संघ के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि संघ समाज में पारिवारिक भाव के निर्माण का कार्य कर रहा है। हम सभी एक ही परिवार के सदस्य की भांति प्रेम, स्नेह और सहयोग के भाव के साथ समाज के हित में कार्य करें, इसीलिए संघ हमें बार-बार बुलाकर साथ बिठाता है और हमारे भीतर नई चेतना भरने का प्रयास करता है। वरिष्ठ स्वयंसेवक सुमेर सिंह गुढा ने कहा कि जो कर्मचारी जिस भी विभाग में है वहां अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से करते हुए समाज मे सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य करे। हम सदैव समाज हित को सर्वोपरि रखें तथा शाखा, शिविर एवं इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से संघ से निरन्तर जुड़े रहें। उपस्थित सभी सहभागियों ने चर्चा में भाग लेते हुए अपने अपने विचार प्रकट किए। अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों ने अपने-अपने विभाग की उन योजनाओं से भी अवगत करवाया जिनसे समाजबंधुओं को लाभ मिल सकता है। सभी ने पूज्य श्री तनसिंह जी के सन्देश को सभी तक पहुंचाने हेतु कार्य करने की बात कही और इस प्रकार के आयोजन निरन्तर किए जाने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त 75 क्षत्रिय कर्मचारियों ने भाग लिया।

मारवाड़ राजपूत सभा का सदस्यता अभियान

मारवाड़ राजपूत सभा जोधपुर के आजीवन सदस्य बनने के लिए सदस्यता अभियान 1 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक चलाया जा रहा है। जोधपुर, नागौर, बाड़मेर, पाली व जालोर जिलों में निवासरत इच्छुक समाजबंधु इस अवधि में मारवाड़ राजपूत सभा जोधपुर में सम्पर्क कर सदस्य बन सकते हैं। सदस्यता शुल्क 2100 रुपए (आजीवन) रखा गया है।

इंदौर में रक्तदान शिविर का आयोजन

इंदौर के एमवाईएच अस्पताल में करणी सेना भारत और अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन 31 दिसंबर को किया गया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम एवं करणी सेना भारत के जिला अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह गौर के साथ इंदौर में रहने वाले अनेक राजपूत युवाओं ने रक्तदान किया एवं मानव सेवा का संदेश दिया।

सामाजिक पत्रिका 'त्रिनेत्र बिंदु' का रजत जयंती समारोह

अखंड राजपूताना सेवा संस्थान दिल्ली के तत्वावधान में क्षत्रिय समाज की पत्रिका 'त्रिनेत्र बिंदु' का रजत जयंती समारोह 30 दिसंबर को फरीदाबाद के सेक्टर 8 में स्थित महाराणा प्रताप भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष केपी सिंह, किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठा. पूरण सिंह, हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के नरेश सिंह चौहान, क्षत्रिय एकता मंच फरीदाबाद के संजीव चौहान, त्रिनेत्र बिंदु पत्रिका के संरक्षक लाल बहादुर सिंह रीवा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने समाज में वैचारिक जागृति हेतु सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन को आवश्यक बताया और सभी समाज बंधुओ से इन्हें पढ़ने एवं सदस्यता लेने का आग्रह किया। समारोह से पूर्व दिल्ली एनसीआर के 15 जिलों में महाराणा प्रताप संदेश यात्रा का आयोजन भी हुआ। मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से प्रारंभ यह यात्रा फरीदाबाद पहुंचकर संपन्न हुई। पत्रिका के संपादक अरुण सिंह बघेल ने बताया कि पत्रिका का उद्देश्य क्षत्रिय समाज में चेतना लाना और समाज को एकजुट करना है। पूरे वर्ष चलने वाले रजत जयंती समारोह के अंतर्गत 55 स्थानों पर विमोचन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजकुल संस्था के नारायण सिंह शेखावत ने सहयोगियों के साथ मिलकर आयोजन व्यवस्था का दायित्व संभाला।

राणावास में होगा कूंपा जी राठौड़ की प्रतिमा का अनावरण

पाली जिले की मारवाड़ जंक्शन तहसील के राणावास गांव में स्थित श्री गोविंद राजपूत शिक्षण संस्थान परिसर में वीर शिरोमणि राव कूंपाजी राठौड़ की प्रतिमा का अनावरण 31 जनवरी को प्रातः 11:15 बजे समारोह पूर्वक किया जाएगा। श्री गोविंद राजपूत शिक्षण संस्थान एवं स्थानीय राजपूत समाज के तत्वाधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों के साथ ही अनेकों जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति भी सम्मिलित होंगे।

इंदौर में राजपूत धर्मशाला का भूमि पूजन

इंदौर में सुपर कॉरिडोर स्थित भवानी नगर में राजपूत समाज की धर्मशाला का भूमि पूजन कार्यक्रम 5 जनवरी को आयोजित हुआ। विधायक रमेश मैंदोला एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौड़, पार्षद सोनाली परमार सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह जादौन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कृष्णा कंवर खैरवा का बास्केटबॉल टीम में चयन

पाली जिले के खैरवा गांव की निवासी कृष्णा कंवर राणावत पुत्री भगवत सिंह का राजस्थान बास्केटबॉल टीम (आयु वर्ग - 17) में चयन हुआ है। वे अब तमिलनाडु में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी।

वीर अमर सिंह राठौड़ की 412वीं जयंती मनाई

वीर अमर सिंह राठौड़ की 412वीं जयंती 10 जनवरी को नागौर में किले की ढाल पर स्थित उनकी छतरी व पैनोरमा पर समारोह पूर्वक मनाई गई। अमर सिंह की अश्वारूढ़ प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके सभी ने उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में अमर सिंह की वीरता, शौर्य और स्वाभिमान को स्मरण करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही गई। जयंती समारोह में पूर्व उप प्रधान अजीत सिंह भाटी, अमर राजपूत छात्रावास के अध्यक्ष नारायण सिंह भाटी, सचिव मनोहर सिंह सलेउ, कोषाध्यक्ष छेलू सिंह खेतास, उपाध्यक्ष माड़साब कर्ण सिंह बालवा, करणी सेना जिला अध्यक्ष कालू सिंह खेतास, पूर्व सचिव देवेंद्र सिंह सेननी तथा अमर राजपूत छात्रावास के छात्र और किले के कर्मचारी उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख उगम सिंह गोकुल भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा में समाजबंधुओं की बैठक

ग्रेटर नोएडा स्थित कैपिटल एंथीना सोसाइटी प्रांगण में संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्य करने वाली राजपूत संस्था महाराणा एसोशिएसन आफ नार्थ अमेरिका के प्रतिनिधियों के साथ स्थानीय समाजबंधुओ की एक बैठक 5 जनवरी को आयोजित हुई जिसमें विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई एवं अतिथियों को महाराणा प्रताप मूर्ति अनावरण समारोह का आमंत्रण पत्र व स्मारिका भेंट किए गए। त्रिनेत्र बिंदु पत्रिका के संपादक अरुण सिंह बघेल ने क्षत्रिय पत्रिका 'त्रिनेत्र बिंदु' की प्रति भेंट की। अखंड राजपूताना सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित इस बैठक में सभी ने अपने विचार रखते हुए समाज में आपसी एकता एवं राजनीतिक जागृति को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। इस अवसर पर महाराणा एसोशिएसन आफ नार्थ अमेरिका के संस्थापक सत्येन्द्र सिंह व रम्भा सिंह के साथ जितेन्द्र नारायण सिंह, रोहताश सिंह चौहान (इतिहासकार), अखंड राजपूताना सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष केपी सिंह, नवीन राणा, आईएएस जेएन सिंह, बलबीर सिंह चौहान, उमानाथ सिंह, राकेश सिंह, राकेश सिसोदिया, मधु चौहान, सुबोध कुमार, एमपी सिंह, डॉ प्रवेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह तंवर, अनिल सिंह तंवर सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

तलोजा (मुंबई) में स्नेहमिलन आयोजित

श्री क्षत्रिय युवक संघ के दक्षिण मुंबई प्रांत के नवी मुंबई मण्डल की शाखाओं के स्वयंसेवकों और सहयोगियों का स्नेह मिलन व स्नेह भोज कार्यक्रम तलोजा में 4 जनवरी को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महाराष्ट्र संभाग प्रमुख रणजीत सिंह आलासन ने मुंबई में लगने वाली शाखाओं के बारे में जानकारी दी एवं संघ को समझने के लिए शाखा में नियमितता बनाए रखने के साथ ही समय-समय पर शिविर करते रहने की बात कही। प्रांत प्रमुख देवी सिंह झलोड़ा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

अजमेर और चित्तौड़गढ़ में विशेष शाखाओं का आयोजन

अजमेर स्थित परमवीर मेजर शैतान सिंह राजपूत छात्रावास में श्री क्षत्रिय युवक संघ की विशेष शाखा 8 जनवरी को आयोजित हुई। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संघ की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और व्यक्तित्व निर्माण हेतु युवाओं को संघ से जुड़ने और नियमित संपर्क रखने की बात कही। संघ शिविरों व शाखाओं द्वारा कैसे हमारे जीवन में परिवर्तन लाता है, संघ साहित्य प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी सहित अन्य परिस्थितियों में हमारा मार्गदर्शन कैसे कर सकता है, आदि विषयों पर कार्यक्रम में चर्चा की गई। शाखा में 60 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। शिवदयाल सिंह खुड़ी, बलवीर सिंह पिपलाज अन्य सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। चित्तौड़गढ़ प्रांत में

6 जनवरी को विशेष साप्ताहिक शाखा गांगा जी का गुढ़ा, भदेसर में विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के कार्यालय परिसर में स्थित वाटिका में आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली के निर्देशन में सामूहिक यज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें सभी उपस्थित जनों ने आहुतियां प्रदान की। आपसी परिचय के पश्चात साजियाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ तथा संघ साहित्य के बारे में जानकारी दी और क्षात्रधर्म तथा क्षत्रिय के गुण व कर्तव्य के बारे में बताया। अपने परिवार के बालक-बालिकाओं को संघ के शिविरों, शाखाओं में भेजने का भी निवेदन किया। संघ शक्ति, पथ प्रेरक के सदस्य बनाने के साथ ही केसरिया पताकाओं का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर अजय पाल सिंह चरपोटिया, नरेंद्र सिंह नरधारी, लक्ष्मण सिंह भाटियों का खेड़ा, छोटू सिंह मुरलिया सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। चित्तौड़गढ़ प्रांत में ही 29 दिसंबर को श्री क्षत्रिय सेवा संस्थान भवन, सेंथी में भी विशेष शाखा का आयोजन हुआ जिसमें केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। जौहर स्मृति संस्थान के कोषाध्यक्ष गोवर्धन सिंह भाटियों का खेड़ा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

श्रद्धेय हुड़ील की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

श्री क्षत्रिय युवक संघ के द्वितीय संघ प्रमुख श्रद्धेय आयुवान सिंह जी हुड़ील की पुण्यतिथि पर 7 जनवरी को उदयपुर में भूपाल नोबल्स संस्थान के ओल्ड बॉयज भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने आयुवान सिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि आयुवान सिंह जी द्वारा रचित साहित्य अद्वितीय है जो सभी में प्रेरणा और उत्साह उत्पन्न करता है। हम सभी को उन्हें पढ़ना चाहिए और उनके बताए आदर्शों पर चलने का प्रयास करना चाहिए।

सभी समाजबंधुओ ने हुड़ील की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। बृजराज सिंह खारडा, फतेह सिंह भटवाड़ा, अरविंद सिंह पावटा, भानु प्रताप सिंह झीलवाड़ा, गजेंद्र सिंह नाल का गुड़ा, छत्रपाल सिंह भबराना सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संघ की विभिन्न शाखाओं में शाखा स्तर पर पुण्यतिथि के कार्यक्रम आयोजित हुए।

राजस्थान राजपूत परिषद कर्नाटक का 11वां वार्षिकोत्सव मनाया

राजस्थान राजपूत परिषद कर्नाटक का 11वां वार्षिक सम्मेलन समारोह 5 जनवरी को बेंगलुरु में मनाया गया। भंवर सिंह बालावत, लोकेंद्र सिंह तंवर, ईश्वर सिंह बालावत आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया और परिषद को सुदृढ़ करने के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। सभी ने कर्नाटक में रहने वाले प्रवासी

समाजबंधुओ में संपर्क और सहयोग को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष नरपत सिंह चंपावत, सचिव ओम सिंह देवड़ा, सलाहकार अर्जुन सिंह बालावत, कोषाध्यक्ष उत्तम सिंह सोढ़ा, ईश्वर सिंह धवेचा, मोहन सिंह कुंपावत, उम्मेद सिंह डूडसी सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही।

तलवाणा (कच्छ) में बैठक का आयोजन

माननीय संघप्रमुख श्री के निर्देशानुसार श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा यह वर्ष शाखा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसके निमित्त गुजरात में कच्छ क्षेत्र के तलवाणा गांव में 31 दिसंबर को एक संपर्क बैठक का आयोजन किया गया जिसमें छत्रपाल सिंह ओरूमाना, हुकूमत सिंह भुजपुर एवं दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने समाजबंधुओ के साथ

संवाद करते हुए उन्हें संघ के उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली के बारे में बताया एवं स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा की जानकारी दी। बैठक में उपस्थित समाजबंधुओ ने गांव में साप्ताहिक शाखा शुरू करने की बात कही एवं संघ कार्य को समाज के लिए आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बताया।

भिवानी में हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा की मासिक बैठक

हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा की मासिक बैठक 29 दिसंबर को भिवानी में रोहतक गेट स्थित राजपूत धर्मशाला में हुई जिसकी अध्यक्षता रिटायर्ड डीजीएम अजीत सिंह तंवर ने की। सभा के जिला प्रधान सतीश परमार चांगिया ने कहा कि आज समाज में विभिन्न कुरीतियां पनपती जा रही हैं, जो युवाओं के भविष्य के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा इन सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाएगी। सभा के प्रदेश वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष ओमबीर सिंह तंवर ने भी अपने विचार रखे। बैठक में हर्षवर्धन चौहान के लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त होने एवं रेणु तंवर को भिवानी नगर परिषद की उपसभापति बनने पर सम्मानित भी किया गया। बैठक में संस्था के सदस्यों के साथ ही स्थानीय समाजबंधु भी उपस्थित रहे।

सूरत में उत्तरप्रदेश के प्रवासी बंधुओं के साथ संपर्क बैठक

गुजरात के सूरत शहर में रहने वाले उत्तरप्रदेश के समाज बंधुओ के साथ श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों की एक संपर्क बैठक 5 जनवरी को आयोजित की गई। बैठक में बाबू सिंह रेवाड़ा ने संघ के उद्देश्य व कार्य प्रणाली के बारे में बताते हुए सूरत में लगने वाली संघ की शाखाओं के बारे में जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के समाजबंधु राजन सिंह, रमण सिंह, सोनू सिंह एवं सुनील सिंह ने भी अपने विचार रखे एवं संघ के कार्यक्रमों में आकर निकट से संघ को जानने की बात कही। प्रांत प्रमुख भवानी सिंह माड़पुरिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। संघ के संभाग प्रमुख खेत सिंह चांदेसरा भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पाटोदी में शोक के अवसर पर अनुकरणीय पहल

बालोतरा जिले की पाटोदी तहसील के हड़मतनगर गांव के निवासी व श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक नग सिंह के दादोसा लाल सिंह जी का देहावसान 30 दिसंबर को हो गया जिनके बारहवें तक होने वाली बैठक में सभी तरह के नशे को वर्जित रखा गया एवं उनकी स्मृति में उनके पुत्र मोती सिंह ने श्री जवाहर राजपूत छात्रावास में कमरे के निर्माण हेतु सहयोग राशि प्रदान कर अनुकरणीय पहल की।

प्रिया राठौड़ को राजस्थान यूथ आइकन अवार्ड

राष्ट्रीय युवा दिवस पर 12 जनवरी को प्रिया राठौड़ को राजस्थान यूथ आइकन अवार्ड से सम्मानित किया गया। विधानसभा क्षेत्र धोद के प्रतापपुरा गांव की बेटी और गाँव सामी की पुत्रवधू प्रिया राठौड़ को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित पांच दिवसीय युवा महोत्सव के समापन समारोह में

सामाजिक कार्यों में उनके उत्कृष्ट योगदान और 'ग्लोबल यूथ डायलॉग' (आईसीपीडी 30) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

(पृष्ठ एक का शेष)

सुमेरपुर

मानवीय मूल्यों...

इन कार्यक्रमों के साथ भारतीय संविधान के लागू होने के 75वें वर्ष के उपलक्ष में 'क्षात्रधर्म और भारतीय संविधान' विषय पर विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया। जयपुर स्थित संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक एवं श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के मार्गदर्शक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने कहा कि श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन में मुख्य तत्व पुरुषार्थ है। हमें विचार करना होगा कि क्या हममें वह पुरुषार्थ है? यदि नहीं है तो उसे विकसित करना होगा। उसके लिए पूर्वजों द्वारा प्राप्त सकारात्मक ऊर्जा को उभारना होगा और उस उभरी हुई शक्ति को संयोजित करके संगठित रूप देना होगा। इस शक्ति को प्राप्त करने पर ही राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों में हो रही हमारे समाज की उपेक्षा भी समाप्त हो सकेगी। कार्यक्रम में जयपुर शहर में रहने वाले सहयोगी व समाजबंधु सम्मिलित हुए।

जयपुर

पाली जिले के सुमेरपुर में भी स्थापना दिवस एवं विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवन्त सिंह पाटोदा ने कहा कि आज 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी का जन्म दिवस भी है। भारतीय धर्म संस्कृति की वैज्ञानिकता और महानता को अपने ओजस्वी व्यक्तित्व से पूरे विश्व में स्थापित करने वाले विवेकानंद जी की क्षमताओं का वास्तविक स्रोत उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस की कृपा में था। उसी भांति श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का प्रेरणा स्रोत श्री क्षत्रिय युवक संघ ही है। जब तक संघ की प्रेरणा और आशीर्वाद फाउंडेशन को मिलता रहेगा तब तक वह अपने मार्ग पर निरंतर बढ़ता रहेगा। यह तभी संभव होगा जब हम संघ और पूज्य तनसिंह जी के जीवन दर्शन को आत्मसात करके समर्पित होकर समाज में कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि आज अनेक स्थानों पर 'क्षात्र धर्म एवं संविधान' विषय पर इस प्रकार की विचार गोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। भारतीय संविधान को अंगीकार करने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इन गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। हमें यह बात समझने एवं समझाने की आवश्यकता है कि संविधान उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है जिन मूल्यों को अपना कर हमारे पूर्वजों ने भारत के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति का निर्माण किया था। हमारे पूर्वजों ने उस समय की व्यवस्था को पूरा सम्मान देकर उस व्यवस्था के अनुरूप अपने क्षात्र धर्म का पालन किया उस प्रकार हमें भी आज की व्यवस्था को अपना मानकर इसी के अनुरूप अपने क्षात्र धर्म का पालन करना है। फाउंडेशन इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। जालौर एवं आहोर में हुए स्थापना दिवस कार्यक्रम में भी श्री पाटोदा सहयोगियों के साथ उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त पाली, बाड़मेर, बाली, रानी, फालना, सिरोही, रेवदर, पिंडवाड़ा, आबू रोड, जोधपुर, नीमकाथाना, डीडवाना, केकड़ी, सरवाड़, जैसलमेर, उदयपुर, सिनला (जैतारण), तारानगर (चूरू), बीकानेर, बड़ागुड़ा (सोजत), लाडनूं, नाथद्वारा, सिवाणा, सीकर, नागौर, डेगाना, परबतसर, जायल, मेड़ता, डूंगरनगर (जैतारण), पंचवटी (भीलवाड़ा) आदि अनेक स्थानों पर भी स्थापना दिवस मनाया गया एवं विचार गोष्ठियों का आयोजन हुआ।

सीकर

मेवाड़ राजपूत समाज के नववर्ष कैलेंडर का विमोचन

मेवाड़ राजपूत समाज सेवा संस्थान द्वारा 31 दिसंबर को उदयपुर में गोवर्धन सागर पाल पर कार्यक्रम आयोजित कर-के नव वर्ष कैलेंडर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 2 फरवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक लक्ष्मण सिंह चौहान, सभा अध्यक्ष सुखदेव सिंह सिसोदिया, अध्यक्ष हरि सिंह चौहान, महामंत्री शंभू सिंह सांखला, राज सिंह चौहान, हरि सिंह भाटी, तेज सिंह चुंडावत, सुरेंद्र सिंह राठौड़ सहित अनेकों समाज बंधु उपस्थित रहे।

पांच गांवों की बैठक में लिया कुप्रथाओं की समाप्ति का निर्णय

जैसलमेर के बडोड़ा गाँव में बिहारीदासोत भाटियों के पांच गांवों - बडोड़ा गाँव, डांगरी, राजगढ़, लखासर एवं संग्रामसर के समाजबंधुओं की बैठक 8 जनवरी को आयोजित हुई जिसमें समाज हित में सामूहिक निर्णय लिए गए। बैठक में विवाह समारोह में अफीम व शराब की मनुहारें न करने, दिखावा रोकने हेतु सामेले में सीमित संख्या में ही थाळ रखने, डीजे आदि का प्रदर्शन न करने का निर्णय लिया गया। शोक के अवसर पर भी अफीम डोडे की मनुहार न करने, साथरवाड़ा परम्परा बंद करने, मिठाई न बनाने व बेटियों को पोशाक की बजाय केवल ओढ़ना ही भेंट करने का निर्णय लिया गया। पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबकी यह जिम्मेदारी है कि हम समाज को सही दिशा में ले जाएं। हमें तामसिक जीवन का त्याग करके सात्विकता को अपनाना चाहिए।

राजपूत सेवा समिति रानी का पंचम प्रतिभा सम्मान समारोह

25 दिसंबर को राजपूत सेवा समिति रानी का पंचम प्रतिभा सम्मान समारोह श्री आशापुरा माता जी मंदिर नाडोल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समताराम महाराज ने गीता मे बताये कर्मशीलता के सिद्धांत पर चलने की बात कही। दिल्ली मेट्रो के महाप्रबंधक पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि हमें परिवार के साथ समाज की जिम्मेदारी का भी निर्वहन करना है। युवाओं में समय की माँग के अनुसार हर क्षेत्र में आगे बढने का जज्बा होना चाहिए। बाली के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चेन सिह महेचा ने साइबर क्राइम से बचने के उपाय बताए। पाली के उपखण्ड अधिकारी विमलेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि हमें अतीत के गौरव को बनाए रखने की जरुरत है। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी अजमेर सुमन भाटी ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने की आवश्यकता है जिसके लिए महिलाओं को हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। रानी के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भवानी सिंह राणावत, राजपुत सेवा समिति के अध्यक्ष छैल सिंह राठौड़, पूर्व अध्यक्ष महावीर सिंह गुडा भीमसिंह, रानी तहसीलदार मनोहर सिंह बालोत, गोविन्द सिंह जोधा इन्दरवाडा, खेत सिंह मेडतिया , राजेंद्र सिंह राठौड़, नारायण सिंह भाटी, भंवर सिंह जोधा, नरेन्द्र सिंह कुम्पावत आदि ने भी अपने विचार रखे और समाज मे सकारात्मक भुमिका के साथ काम करने की बात कही। मंच संचालन भीम सिंह राठौड़ व राजेन्द्र सिंह जवाली ने किया।

भंवर सिंह नाथावतपुरा को पितृशोक

श्री उगम सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक भंवर सिंह नाथावतपुरा के पिता **श्री उगम सिंह जी** का देहावसान 8 जनवरी 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें एवं परिजनों को संबल प्रदान करें।

भगवान सिंह देवगांव को मातृशोक

सौभाग कंवर जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक भगवान सिंह देवगांव की माताजी **सौभाग कंवर जी** धर्मपत्नी स्व. श्री लक्ष्मण सिंह राठौड़ का देहावसान 3 जनवरी 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

लाखन सिंह लाम्बापारडा का निधन

श्री लाखन सिंह

वागड़ क्षेत्र में श्री क्षत्रिय युवक संघ के सक्रिय स्वयंसेवक **श्री लाखन सिंह लाम्बापारडा** का निधन 31 दिसंबर 2024 को देहावसान हो गया। उन्होंने अपने जीवनकाल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के कुल 49 शिविर किए जिनमें 6 उच्च प्रशिक्षण शिविर, 3 माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर, 32 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर और 8 विशेष शिविर शामिल हैं। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

गिरी-सुमेल रणस्थली में मनाया बलिदान दिवस

सन् 1544 ई० में दिल्ली के सुल्तान शेरशाह सूरी की विशाल सेना और राव जैता-कूंपा के नेतृत्व में राजपूत वीरों के बीच हुए गिरी-सुमेल युद्ध के नायकों की स्मृति में 5 जनवरी को पाली जिले में स्थित गिरी रणस्थली पर गिरि रणस्थली विकास समिति के तत्वावधान में बलिदान दिवस मनाया गया। पूर्व मंत्री व बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गिरी सुमेल का युद्ध स्वाभिमान और मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ा गया युद्ध था। जैता-कूंपा ने पणिहारियों द्वारा दिखाए गए भरोसे को सत्य सिद्ध करने के लिए मुट्ठी भर सैनिकों के साथ मिलकर शेरशाह सूरी जैसे शक्तिशाली शासक के विरुद्ध यह युद्ध लड़ा और इतिहास में अमर हो गए। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुषों और वीर नायकों के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें भी अपने कर्तव्य और धर्म का पालन करना चाहिए। गिरि रणस्थली विकास समिति के अध्यक्ष हनुमान सिंह भैसाणा ने कहा कि मातृभूमि के प्रति राव जैता-कूंपा का प्रेम अद्वितीय है। सिर धड़ से अलग हो जाने के बाद भी वे मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ते रहे और उनकी इस वीरता को देखकर ही शेरशाह सूरी को कहना पड़ा कि - 'मुट्ठी भर बाजरे के लिए मैं दिल्ली की सल्तनत खो बैठता।' पूर्व प्रधान

सुमेर सिंह ने कहा कि अपने प्राणों की परवाह ना करके भी जो अपने कर्तव्य का पालन करते हैं, उन्हीं वीरों को इतिहास याद रखता है और आने वाली पीढ़ियां उनको नमन करती हैं, उनसे प्रेरणा लेती हैं। इस अवसर पर कान सिंह सबलपुरा, श्याम सिंह सजाड़ा, गजेंद्र सिंह झूपेलाव, भंवर सिंह सांडिया, अर्जुन सिंह शिवपुरा, भंवर सिंह चौहान, शंभू सिंह, उम्मेद सिंह सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे एवं गिरी-सुमेल युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गिरी सुमेल बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में इंदौर में भी जय राजपूताना संघ द्वारा पांच दिवसीय महासमर भूमि शिविर के समापन के अवसर पर शौर्य संचलन का आयोजन किया गया जिसमें राजपूत युवाओं ने पारंपरिक गणवेश में बड़ा गणपति से महाराणा प्रताप चौराहे तक रैली निकाली। भंवर सिंह रेटा ने बताया कि मार्ग में विभिन्न स्थानों पर शहर वासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया गया। संस्था के प्रदेश संयोजक लाखन सिंह कठोड़िया व कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि पांच दिवसीय शिविर में 1250 से अधिक युवाओं को तलवारबाजी, निशानेबाजी, दंड संचालन और साफा बांधने का प्रशिक्षण दिया गया।

राजपूत छात्रावास अजमेर में बास्केटबॉल कोर्ट व पुस्तकालय का लोकार्पण

अजमेर के कुंदन नगर में स्थित राजपूत छात्रावास परिसर में पूर्व बास्केटबॉल कोच स्व. भगवान सिंह गौड़ की स्मृति में निर्मित बास्केट बॉल कोर्ट का लोकार्पण 3 जनवरी को समारोहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर भगवान सिंह जी की मूर्ति का अनावरण भी किया गया, साथ ही छात्रावास के नवनिर्मित पुस्तकालय भवन का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि भगवान सिंह जी ने अपने उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के द्वारा अनेक शिष्यों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के रूप में तैयार किया और इसीलिए उनकी स्मृति में उनके शिष्यों द्वारा यह बास्केटबॉल कोर्ट तैयार किया गया है। उन्होंने भगवान सिंह जी को आधुनिक द्रोणाचार्य बताकर उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। पूर्व विधायक प्रेम सिंह बाजोर ने कहा कि ये दुर्भाग्य की बात है कि निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले भगवान सिंह जी जैसे उच्च स्तरीय प्रशिक्षक के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। ऐसे व्यक्तियों को उचित सम्मान

अवश्य मिलना चाहिए जिससे अन्यों को भी निस्वार्थ सेवा करने की प्रेरणा मिले। इसलिए उनकी स्मृति बनाए रखने के लिए इस कोर्ट का निर्माण सराहनीय है। आईजी रघुराज सिंह, आईजी पुष्पेंद्र सिंह, बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष अजीत सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। छात्रावास समिति के अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भवानी निकेतन शिक्षा समिति के त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न

जयपुर में राजस्थान की अग्रणी शैक्षणिक संस्था श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति की कार्यकारी परिषद् के त्रैवार्षिक चुनाव 29 दिसम्बर को संपन्न हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी गंगा सिंह शेखावत (सेवानिवृत्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश) के निर्देशन में संपन्न चुनावों में नगेन्द्र सिंह बगड़ समिति के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। श्याम सिंह मण्ढ़ा कोषाध्यक्ष एवं डॉ. अभय सिंह राठौड़ शिक्षा सलाहकार के पद पर निर्विरोध चुने गए। महेन्द्र सिंह जैसलाण उपाध्यक्ष, सुदर्शन सिंह सुरपुरा सचिव, जालम सिंह हुड़ील संयुक्त सचिव निर्वाचित हुए, वहीं जालिम सिंह आसपुरा, दिलीप सिंह छापोली, गुलाब सिंह मेड़तिया व सम्पत सिंह धमोरा कार्यकारी सदस्य चुने गए।

मातृशक्ति शिविर संचालिका प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में मातृशक्ति शिविर संचालिका व सहयोगी प्रशिक्षण शिविर 4 से 6 जनवरी तक आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के मातृशक्ति विभाग प्रभारी जोरावर सिंह भादला के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में मातृशक्ति विभाग की महत्ता एवं आवश्यकता के बारे में बताते हुए कहा गया कि लोकसंग्रह का कार्य मातृशक्ति के सहयोग के बिना अधूरा है। इसलिए आप सभी को दृढ़ संकल्पित होकर इस कार्य में जुटना होगा। आपको भविष्य में जिन दायित्वों को निभाना है, उसके लिए आपको तैयार करने के लिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर के विभिन्न सत्रों में हुई चर्चा में सामूहिक सूत्रबद्धता, वेदी निर्माण, प्रार्थना व मंत्रों का सही उच्चारण, सहगीतों की लय, शिविर संचालन में आने वाली बाधाओं आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। शिविरार्थियों को माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। शिविर में राजस्थान व गुजरात से 26 शिविर संचालिकाओं ने प्रशिक्षण लिया।

जसोल की जयंती मनाई, एम्स जोधपुर का नामकरण मीरा के नाम पर करने की मांग

भारत के विदेश, रक्षा व वित्त मंत्री रह चुके स्व. जसवंत सिंह जसोल की जयंती पर जोधपुर स्थित मारवाड़ राजपूत सभा भवन में 3 जनवरी को कार्यक्रम आयोजित करके उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में जसवंत सिंह जसोल के पुत्र मानवेंद्र सिंह ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जसवंत सिंह जी के प्रयासों से ही जोधपुर में एम्स हॉस्पिटल की स्थापना हुई। उनकी और जनता की इच्छा के अनुरूप ही जोधपुर एम्स का नामकरण भक्त शिरोमणि मीरा जी के नाम पर शीघ्र किया जाना चाहिए। पूर्व सांसद नारायण सिंह माणकलाव ने कहा कि जसवंत सिंह जी का व्यक्तित्व प्रेरणादायक है। वे सदैव राष्ट्र के हित में कार्य करते रहे। मारवाड़ राजपूत सभा के महासचिव केवी सिंह चांदरख, सभा के पूर्व

संयोजक त्रिभुवन सिंह भाटी आदि ने भी अपने विचार रखे और कहा कि जोधपुर में एम्स हॉस्पिटल की नींव रखते समय ही यह तय हो गया था कि एम्स का नाम मीराबाई के नाम पर रखा जाएगा और इसका उल्लेख उद्घाटन समारोह के समय स्थापित शिलालेख में भी मौजूद है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने इसके लिए अभियान चलाने एवं उसमें सहयोग करने की बात कही। इस अवसर पर जसोल की स्मृति में कैलेंडर का विमोचन भी किया गया।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org